

1. इस कविता में शाम के दृश्य को किसान के रूप में दिखाया गया है - यह एक रूपक है। इसे बनाने के लिए पाँच एकरूपताओं की जोड़ी बनाई गई है। उन्हें उपमा कहते हैं। पहली एकरूपता आकाश और साफ़े में दिखाते हुए कविता में 'आकाश का साफ़ा' वाक्यांश आया है। इसी तरह तीसरी एकरूपता नदी और चादर में दिखाई गई है, मानो नदी चादर-सी हो। अब आप दूसरी, चौथी और पाँचवी एकरूपताओं को खोजकर लिखिए।

उत्तर

दूसरी एकरूपता - चिलम सूरज-सी
चौथी एकरूपता - अँगीठी पलाश के
फूलों-सी
पाँचवी एकरूपता - अंधकार भेड़ों के
गल्ले-सा

2. शाम का दृश्य अपने घर की छत या खिड़की से देखकर बताइए -

क) शाम कब से शुरू हुई?

ख) तब से लेकर सूरज डूबने में कितना समय लगा?

ग) इस बीच आसमान में क्या-क्या परिवर्तन आए?

उत्तर

- क) शाम करीब 6 बजे शुरू हुई।
ख) तब से लेकर सूरज डूबने में करीब एक घंटे का समय लगा।
ग) इस बीच आसमान का रंग लाल और कुछ देर बाद पीले रंग में परिवर्तित हो गया और कुछ देर बाद सूरज आसमान से गायब हो गया और चारों ओर अँधेरा छा गया।

Positivemindschannel

**3. मोर के बोलने पर कवि को लगा
जैसे किसी ने कहा हो - 'सुनते हो'।
नीचे दिए गए पक्षियों की बोली
सुनकर उन्हें भी एक या दो शब्दों में
बाँधिए -**

**कबूतर कौआ मैना
तोता चील हंस**

उत्तर

कबूतर - लो भई, अपना खत ले लो।

कौआ - सुनते हो, घर में मेहमान आने वाले हैं।

मैना - कैसे हो?

तोता - राम! राम! भाई।

चील - अरे, वह देखो नीचे क्या पड़ा है।

हंस - मेरी तरह शांत रहो।

4. इस कविता को चित्रित करने के लिए किन-किन रंगों का प्रयोग करना होगा?

Positivemind

उत्तर

इस कविता को चित्रित करने के लिए हमें नीले, पीले, भूरे, लाल, सफ़ेद, काले, सुनहरे, हरे, बैंगनी आदि अनेक रंगों को प्रयोग करना पड़ेगा।

**5. शाम के समय ये क्या करते हैं? पता लगाइए और लिखिए -
पक्षी खिलाड़ी फलवाले माँ
पेड़-पौधे पिता जी किसान बच्चे**

उत्तर

पक्षी - अपने-अपने घोंसलों में लौट आते हैं।

खिलाड़ी- अपने खेल को समाप्त कर आराम करते हैं।

फलवाले - अपना सामान जल्दी बेचकर घर जाने का प्रयत्न करते हैं।

माँ - अपना काम समाप्त कर घरवालों के घर आने की प्रतीक्षा करती है।

पेड़-पौधे - वे भी विश्राम करना चाहते हैं।

पिता जी - दफ़्तर से घर लौटते हैं।

किसान - दिनभर परिश्रम कर अपने बैलों के साथ घर की ओर लौटता है।

बच्चे - खेल या अभ्यास करते हैं।

6. हिन्दी के एक प्रसिद्ध कवि सुमित्रानंदन पंत ने संध्या का वर्णन इस प्रकार किया है -
संध्या का झुटपुट-
बाँसों का झुरमुट-
है चहक रहीं चिड़ियाँ
टी-वी-टी-टुट्-टुट्
ऊपर दी गई कविता और सर्वेश्वरदयाल जी की कविता में आपको क्या मुख्य अंतर लगा? लिखिए।

Positivemindschannel

उत्तर

सर्वेश्वरदयाल जी की कविता और सुमित्रानंदन पंत जी की कविता दोनों में ही संध्या द्रश्य का वर्णन किया गया है परन्तु दोनों में मुख्य अंतर यह है कि जहाँ सर्वेश्वरदयाल जी ने संध्याकालीन दृश्य में एक किसान को प्रधानता दी है वहीं सुमित्रानंदन पंत जी ने अपनी कविता में चिड़ियों की आवाज को अपनी कविता में महत्त्व दी है।

7. लिखी पंक्तियों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखिए-

क घुटनों पर पड़ी है नदी चादर-सी
ख सिमटा बैठा है भेड़ों के गल्ले-सा
ग पानी का परदा-सा मेरे आसपास था हिल रहा
घ मँडराता रहता था एक मरियल-सा कुत्ता
आस-पास

ड. दिल है छोटा-सा छोटी-सी आशा
च घास पर फुदकती नन्ही-सी चिड़िया
इन पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग व्याकरण की दृष्टि से कैसे शब्दों के साथ हो रहा है?

उत्तर

इन पंक्तियों में सा/सी का प्रयोग उन शब्दों के साथ किया जा रहा है जिनकी उपमा दी जा रही है। इससे इनमें तुलना और समानता प्रकट की जा रही है। जैसे- नदी चादर-सी अर्थात् नदी चादर के समान भेड़ों के गल्ले-सा अर्थात् भेड़ों के झुंड सामान पानी-परदा-सा अर्थात् पानी परदे के समान

दूसरी और स/सी का प्रयोग विशेषण के तौर पर किया गया है जैसे-मरियल-सा कुत्ता अर्थात् कमजोर कुत्ता छोटा-सा-दिल अर्थात् छोटा दिल नन्हीं-सी चिड़िया अर्थात् छोटी चिड़िया।

**8. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग
आप किन संदर्भों में करेंगे? प्रत्येक
शब्द के लिए दो-दो संदर्भ (वाक्य)
रचिए। आँधी दहक सिमटा**

उत्तर आँधी

1. तेज़ आँधी ने बहुत तबाही मचायी।
2. मेरे मन में प्रश्नों की आँधी चल रही है।

दहक

1. घर के कोने में चूल्हे की आग दहक रही है।
2. उसके मन में बदले की आग दहक रही है।

सिमटा-

- 1. लाला जी बीमारी के कारण धीरे-धीरे अपना व्यापार सिमटा रहे हैं।**
- 2. अध्यापक के डाँटने पर बालक अपनी कक्षा के कोने में सिमटा सा बैठ गया।**